ललितपुर और नोएडा में 2000 एकड़ में बनेंगे ग्लोबल फार्मा पार्क

फार्मा कॉन्क्लेव में 10 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

लखनऊ। प्रदेश सरकार फार्मा क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। ललितपुर और नोएडा में लगभग 2000 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक ग्लोबल फार्मा पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे राज्य को दवा विनिर्माण और स्वास्थ्य नवाचार का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाने की तैयारी है। यह घोषणा फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 के दौरान हुई, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए फार्मा-रेडी राज्य बताया।

कॉन्क्लेव में देश-विदेश के उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों ने बेहतर कानून-व्यवस्था और उद्योग समर्थक नीतियों को यूपी की बड़ी ताकत बताया। सरकार का लक्ष्य दवा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ वैश्विक बाजार में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना है।

ललितपुर में राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से भविष्य-तैयार फार्मा पारितंत्र तैयार किया जा रहा है। पहले चरण में 352.91 एकड़ क्षेत्र में फार्मूलेशन इकाइयों, बल्क ड्रग्स और साझा अवसंरचना का विकास तेजी से चल रहा है, जबकि दूसरे चरण में 1,465 एकड़ भूमि के लिए अभिरुचि अभिव्यक्ति जारी की जा चुकी है। वहीं नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में भी फार्मा अवसंरचना का विस्तार हो रहा है। सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क और नोएडा एयरपोर्ट के पास सेक्टर-7 में 250 एकड़ में फार्मा फार्मूलेशन पार्क प्रस्तावित है, जहां उन्नत परीक्षण प्रयोगशालाएं और गुणवत्ता प्रमाणन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मेडिकल डिवाइस और फार्मूलेशन पार्क से मजबूत होगा दवा उद्योग का इकोसिस्टम

कॉन्क्लेव की बड़ी उपलब्धि के रूप में करीब 10 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए और फार्मा व मेडिकल डिवाइस क्षेत्र में 11 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। अनुसंधान, नवाचार और प्रतिभा विकास पर भी विशेष जोर दिया गया। उद्योग संगठनों ने शीघ्र अनुमोदन, निर्यात सुविधा और नियामकीय सरलीकरण को फार्मा विकास की रीढ़ बताया, जिससे यूपी को वैश्विक फार्मा हब बनाने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। ब्यूरो